विवरणिका

योग शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

(पाठ्यक्रम कोड - 495-499)

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

(स्कूल शिक्षा और साक्षारता विभाग, मानव संस्थान विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

ए - 24/25, सेक्टर - 62, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, नौएडा (उ0प्र0)

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित एक स्वायत्त संस्थान है जो स्कूली वंचितों, काम करने वाले वयस्कों और प्राथमिकताबद्ध समूह को शैक्षिक और व्यावसायिक/तकनीकी शिक्षा प्रदान करता है। एनआईओएस अपने अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से, पूरे देश में, मुक्त बेसिक शिक्षा, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक, व्यावसायिक/तकनीकी शिक्षा और जीवन समृद्धि कार्यक्रम, संचालित

करता है। वर्तमान में **2.78** मिलियन नामांकन के साथ, यह विश्व की सबसे बड़ी मुक्त शिक्षा प्रणाली है!

व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण

एनआईओएस कृषि, व्यापार और वाणिज्य, कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य व पैरा मेडिकल, गृह विज्ञान और हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट, सचिवीय पद्धति, और अध्यापक शिक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रमाण-पत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करता है। ये छह माह से लेकर दो साल की अवधि तक के व्यावसायिक पाठ्यक्रम हैं। एनआईओएस के व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य व्यावसायिक कौशल विकास के अवसर सुनिश्चित करना है जिससे शिक्षार्थी नौकरी के साथ-साथ, अपनी व्यावसायिक इकाई स्थापित करने, और चलाने में सक्षम हो सकें।

योग शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

'योग शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम' योग विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम है। जो लोग योग के क्षेत्र में रुचि रखते हैं या कार्य कर रहे हैं और 'योग शिक्षक' बनने के इच्छुक हैं, उन सभी लोगों को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्यक्रम को विकसित किया गया है। यह पाठ्यक्रम यौगिक अभ्यास और योग शिक्षा का गहन ज्ञान प्रदान करता है। भारतीय नागरिकों के साथ - साथ विदेशी नागरिक भी इस पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं।

भारतीय ज्ञान परम्परा में योग का बहुत महत्व है। प्राचीनकाल से ही योग हमारी जीवन शैली में समाहित रहा है। योग स्वस्थ जीवन जीने की कला है जो मन एवं शरीर के बीच सामञ्जस्य स्थापित करता है। योग अनुशासन का भी विज्ञान है जो शरीर, मन तथा आत्मशक्ति का सर्वांगीण विकास करता है। आज स्वस्थ एवं चुस्त-दुरुस्त रहने की दृष्टि से योग, सभी को अपनी ओर आकृषित कर रहा है अतः समाज में योग शिक्षा की विषेशरूप से मांग है।

उद्देश्यः

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षार्थियों को, योग में प्रशिक्षित करना है। पाठ्यक्रम को पूरा करने के पश्चात, प्रशिक्षु सक्षम होंगे -

- मानव शरीर विज्ञान और शरीर क्रिया विज्ञान की मूलभूत जानकारी रखने में;
- योग सिद्धांतों तथा योग क्रिया विज्ञान को समझा पाने में;
- स्वास्थ्य, स्वच्छता, आहार और यौगिक संस्कृति के अवधारणाओं को जानने और इन पर प्रकाश डालने में;

- योग के एकीकृत दृष्टिकोण के अनुप्रयोगों को लागू करने में;
- योग कक्षाएं संचालित करने में;
- शिक्षार्थियों को योग शिक्षा देने में।

रोजगार के अवसर:

योग शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल शिक्षार्थी यौगिक संस्थानों, योग प्रशिक्षण केंद्रों, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सालयों, विभिन्न विद्यालयों-महाविद्यालयों, स्वास्थ्य क्लब, कॉर्पोरेट जगत आदि में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

प्रवेश योग्यता:

- **शैक्षिक योग्यता:** किसी भी मान्यता प्राप्त शिक्षा बोर्ड / विश्वविद्यालय से 12 वीं कक्षा पास या समकक्ष
- **न्यूनतम उम्र:** प्रवेश के समय उम्र 18 वर्ष या अधिक

लक्ष्य समूह: सभी भारतीय और विदेशी नागरिक, जो उपर्युक्त पात्रता की शर्तें पूरी करते हों।

पाठ्यक्रम अवधि: पाठ्यक्रम का संचालन दो प्रकार से किया जाता है:

- एक माह आवासीय पाठ्यक्रम: न्यूनतम संपर्क घंटे - 240 और
- छह माह का ओपन पाठ्यक्रम: न्यूनतम संपर्क घंटे - 240
  अवधि के दौरान 30 दिनों की 03 कार्यशालाएं अर्थात प्रत्येक कार्यशाला 10 दिन होगी।
  (दोनों प्रकार की स्थितियों में संपर्क घंटे समान अर्थात 240 घंटे ही रहेंगे जो एक वर्षीय पाठ्यक्रम के समकक्ष मान्य होंगे। अभ्यर्थी अपनी सुविधा अनुसार किसी में प्रवेश प्राप्त कर सकता है।)

अध्ययन योजना:

- सिद्धांत - 30%
- प्रशिक्षण - 50%
- शिक्षार्थी पोर्टफोलियो - 20%

अनुदेश योजना:

- स्व-निर्देशित मुद्रित सामग्री
- एवीआई/अध्ययन केन्द्रों पर सम्पर्क कक्षाओं एवं व्यावहारिक-प्रशिक्षण की सुविधा;
- श्रव्य-दृश्य सामग्री

पाठ्यचर्या :

पाठ्यक्रम में कुल पांच पेपर हैं जिसमें सिद्धांत (थ्योरी) के तीन और व्यावहारिक प्रशिक्षण के दो पेपर शामिल हैं।

- **सिद्धांत के तीन पेपर:**
    1. योग दर्शनशास्त्र और क्रिया विज्ञान
    2. मानव शरीर, आहार और शुद्धि
    3. व्यावहारिक योग विज्ञान
- **प्रायोगिक प्रशिक्षण के दो पेपर:**
    4. प्रायोगिक योग प्रशिक्षण (योगासन, प्राणायाम, ध्यान आदि)
    5. योग शिक्षण कौशल (माइक्रो / मैक्रो-टीचिंग)

निर्देश का माध्यम:

वर्तमान में पाठयसामग्री हिंदी में उपलब्ध है, जिसे शीघ्र ही अंग्रेजी और संस्कृत में उलब्ध कराया जाएगा।

प्रवेश प्रक्रिया

- प्रॉस्पेक्टस के साथ उपलब्ध आवेदन पत्र, जिसे एनआईओएस या इसके प्रशिक्षण केंद्र या एनआईओएस वेबसाइट **www.nios.ac.in** से प्राप्त किया जा सकता है।
- अभ्यर्थी प्रशिक्षण केंद्र में वर्ष भर में अपना आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं या ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं।
- प्रवेश पांच साल के लिए वैध होगा।

पाठ्यक्रम शुल्क:

पाठ्यक्रम का शुल्क 10,000 रुपये है जिसमें प्रवेश, पाठयसामग्री, और प्रथम बार का परीक्षा शुल्क भी सम्मिलित है। विदेशी नागरिकों के लिए यह शुल्क 500 डॉलर है। इस शुल्क में एनआईओएस और व्या0 अध्ययन केंद्र की भागीदारी 30% और 70% निश्चित की गई है।
व्या0 अध्ययन केंद्र आवासीय व्यवस्था, भोजन और अन्य विविध सुविधाओं के लिए, यदि चाहे तो सीमित शुल्क, सुविधा अनुसार अलग से ले सकते हैं।

मूल्यांकन और प्रमाणन के लिए योजना:

परीक्षा में बैठने के लिए, परीक्षार्थी परीक्षा हेतु निर्धारित प्रारूप पर आवेदन करेंगे। पाठ्यक्रम के दोनों घटकों (सिद्धांत और व्यावहारिक) का मूल्यांकन किया जाएगा। उत्तीर्ण शिक्षार्थियों को एनआईओएस अंतिम प्रमाणपत्र प्रदान करेगा।

क्र0 सं0	योग शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के पेपर	कोर्स कोड	अधिकतम अंक व समय		कुल अंक
			अधिकतम अंक	समय (घंटे में)	
1	योग दर्शनशास्त्र और क्रिया विज्ञान	495	50	3	50
2	मानव शरीर, आहार और शुद्धि	496	50	3	50
3	व्यावहारिक योग विज्ञान	497	50	3	50
4	प्रायोगिक योग प्रशिक्षण + शिक्षार्थी पोर्ट फोलियो	498	150 50	5	200
5	योग शिक्षण कौशल (माइक्रो/मैक्रो-टीचिंग) और अभ्यास + शिक्षार्थी पोर्ट फोलियो	499	100 50	3	150
महायोग =					**500**

उत्तीर्णता मापदंड: सिद्धान्त और प्रायोगिक दोनों घटकों में परीक्षार्थी को 50% अंक प्राप्त करने होंगे।